अवन्तिका कृषि अमृत

''त्रैमासिक कृषि तकनीकी संचार दिग्दर्शिका''

अंक–57 | कृषि विज्ञान केन्द्र, रा.वि.सि.कृ.वि.वि, उज्जैन | अक्टूबर–दिसम्बर 2022

संरक्षक

डॉ. एस.के. राव

कुलपति

रा.वि.रा.सि.कृ.वि.वि.ग्वालियर

मार्गदर्शक

डॉ. वाय.पी. सिंह

संचालक विस्तार सेवाएँ

रा.वि.रा.सि.कृ.वि.वि.ग्वालियर

*

डॉ. एस.आर.के. सिंह

निदेशक अटारी

भा.कृ.अ.परिषद, जोन-9, जबलपुर

*

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

डॉ. आर.पी. शर्मा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

सह संपादक

डॉ.श्रीमती रेखा तिवारी

(गृह वैज्ञानिक)

तकनीकी सहयोग

डॉ. सुरेन्द्र कुमार कौशिक

(वैज्ञानिक पौध प्रजनन)

डॉ.दिवाकर सिंह तोमर

(सस्य वैज्ञानिक)

श्री डी.के. सूर्यवंशी

(वैज्ञानिक पौध संरक्षण)

डॉ. मोनी सिंह

(वरि. तकनीकी अधिकारी)

श्रीमती गजाला खान

(वरि. तकनीकी अधिकारी)

श्री राजेन्द्र गवली

(तकनीकी अधिकारी)

संपादकीय...

दीपावली पर्व

की हार्दिक बधाईयाँ...

कृषि स्थिरता प्राप्त करने के लिए फसलों का विविधीकरण करना अति आवश्यक हो गया है। कृषि में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिये किसानों के लिये लचीलापन लाना एवं जलवायु के अनुरूप फसलों का विविधीकरण अत्यंत जरूरी है। जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन को सीधा प्रभावित कर रहा है। इसका प्रभाव तापमान, वर्षा और अन्य परिस्थितिक तंत्र के साथ-साथ मृदा को नमी, कीट व्याधियों और पादप रोगों पर सीधा पड़ता है।

फसल विविधीकरण के साथ-साथ किसान भाईयों को निम्न बिंदुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिये जैसे कि...

1. कम आय वाली फसल का अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ फसल को अपनाना।
2. एकल फसल से बहुफसली एवं मिश्रित फसल प्रणाली में परिवर्तन।
3. अधिक पानी की जरूरत वाली फसल के स्थान पर कम पानी की जरूरत वाली फसल को उगाना।
4. अदलहनी फसल के स्थान पर दलहनी फसल का चयन।
5. फसल प्रणाली का समन्वित कृषि प्रणाली के साथ समायोजन।
6. फसल के विविधिकरण का प्राथमिक लक्ष्य संकर के दौरान गांवों में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना।
7. फसल विविधिकरण के द्वारा उत्पादन के जोखिम को कम कर किसानों की आय को बढ़ाना।
8. कृषक परिवारों को वर्षभर रोजगार प्राप्त हो सके।
9. कृषि उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन का प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन करना।
10. ग्रामीण स्तर पर युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सके।

डॉ. आर.पी. शर्मा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली का 94 वाँ स्थापना दिवस का आयोजन (वर्चुअल मोड़ द्वारा)

भा.कृ.अ.प. नई दिल्ली का 94 वाँ स्थापना दिवस का आयोजन दिनांक 16 जुलाई 2022 को नई दिल्ली से वर्चुअल मोड़ के माध्यम से भारत के सभी कृषि विज्ञान केन्द्र में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस 94 वें स्थापना दिवस के उद्घाटन संस्थानों में श्री नरेन्द्रसिंह तोमर (केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री) ने कहाँ ''कृषि विज्ञान केन्द्रों'' के प्रति किसानों का विश्वास बढ़ना वास्तव में परिषद के लिए गर्व की बात है। किसानों की आय दोगुनी करने में किसानों एवं वैज्ञानिकों के निरंतर प्रयासों की सराहना भी की। ''भारत का अमृत महोत्सव'' के एक भाग के रूप में केन्द्रीय कृषि मंत्री जी ने 75000 ऐसे किसानों की सफलता की कहानियों का ई-संकलन जारी किया जिनकी आय दोगुनी से अधिक हुई है। इस अवसर पर उन्होंने भा.कृ.अनु.प. एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को बधाईयाँ दी। इस अवसर पर उन्होंने कुछ किसानों से वर्चुअल मोड़ के माध्यम से बातचीत भी की। उन्होंने वैज्ञानिकों को अपने कार्य के प्रति समर्पण के लिये बधाई भी दी।

इस वर्चुअल मोड़ में डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डेयर) और महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) तथा मंत्रियों /संसद सदस्यों शासकीय निकाय के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक एवं वैज्ञानिक व विश्व विद्यालयों के कुलपतियों ने भी वर्चुअल मोड़ से भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र तथा नार्प, उज्जैन के समस्त अधिकारियों ने इस मीटिंग में उज्जैन जिले के कुल 110 कृषकों एवं कृषक महिलाओं को लाभांवित किया।

अंकुर कार्यक्रम के अन्तर्गत पोधारोपण अभियान

पर्यावरण सुरक्षा हेतु तथा प्रकृति के वातावरण को संरक्षित करने हेतु ''अंकुर'' कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्ध पौधारोपण अभियान दिनांक 01 अगस्त 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रांगण में मनाया गया।

कार्यक्रम डॉ. आर.पी. शर्मा (संस्था प्रमुख) के मार्गदर्शन में तथा संस्था के वैज्ञानिकगण डॉ. डी.एस. तोमर, डॉ. एस.के. कौशिक, डॉ. रेखा तिवारी, श्री डी.के. सूर्यवंशी आदि ने कार्यक्रम को सफल बताया साथ ही डॉ. मोनी सिंह, श्रीमती गजाला खान, श्री राजेन्द्र गवली, श्रीमती रूचिता कन्नौजिया, श्री अजय गुप्ता, श्रीमती काजल चौधरी, श्री राजेश एवं श्री बाबूलाल आदि ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम में कुल 14 जन लाभांवित हुए।

अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा जागरूकता रैली

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाएं जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत ''हर घर तिरंगा अभियान'' दि. 13 से 15 अगस्त 2022 जागृकता दि. 10.08.2022 को मनाया गया। डॉ. आर.पी. शर्मा (संस्था प्रमुख) के मार्गदर्शन में निकाली। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यों ''तिरंगा'' के प्रति हर एक व्यक्ति में राष्ट्र भक्ति जागृत हो तथा इसी अभियान के तहत समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के घर में तिरंगा फहराने के लिये संस्था द्वारा तिरंगा भी प्रदाय किया गया। कुल 87 लोगों की उपस्थिति में हर घर तिरंगा की जागकृता रैली निकाली गई।

यह रैली टॉवर चौक से शहीद पार्क तक मानव श्रृंखला एवं तिरंगा लहराते हुवे निकाली गई। जिसमें कृषि विभाग के श्री आर.पी. एस. नायक तथा अन्य अधारिगण मौजूद थे।

गाजरघास जागरूकता सप्ताह

गाजरघास जैसे अनवांछित खरपतवार को समूह नष्ट करने हेतु दि. 16-22 अगस्त 2022 तक गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन डॉ. आर.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य था किसानों के हितार्थ इस खरपतवार को नष्ट करने हेतु मानवी प्रबंधन, केमिकल प्रबंधन तथा बायोलॉजिकल प्रबधन द्वारा नष्ट करने के विधिवत तरीके बताये। मेक्सीकन बीटल के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्था के समस्त वैज्ञानिक तथा कर्मचारीगण उपिस्थत थे। कार्यक्रम के माध्यम से कुल 42 लोग लाभांवित हुए जो कृषि विज्ञान केन्द्र के कलस्टर गाँवों से उपस्थित थे।

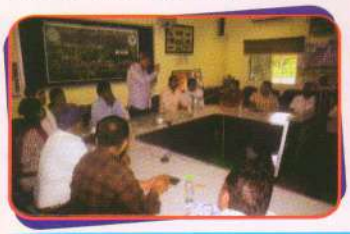

सद्भावना दिवस

सद्भावना दिवस दिनांक 18 अगस्त 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र उज्जैन में डॉ. आर. पी. शर्मा (संस्था प्रमुख) के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

सद्भावना दिवस सभी भारतीयों के बीच शांति राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा उपस्थितों द्वारा ''सद्भावना'' दिवस शपथ भी ली गई। जिसमें संस्था के वैज्ञानिकगण तथा किसान भाई कुल 42 उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती पर प्रगति रिपोर्ट

वर्तमान समय की मांग देखते हुवे और रासायनिक कीटनाशक एवं खादों का विपुल मात्रा में प्रयोग को नियंत्रण में करने हेतु तथा मानव जीवन के हितार्थ साथ ही मृदा स्वास्थ्य की सुधार करने हेतु प्राकृतिक खेती को दिन-ब-दिन बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के केन्द्रों में कृषि विज्ञान केनद्र, उज्जैन में प्राकृतिक खेती प्रर्दशन प्लाट का अवलोकन एवं प्रगति रिपोर्ट जानने हेतु दिनांक 10-9-2022 को निदेशक अटारी जोन-9, जबलपुर डॉ. एस.आर.के.सिंह, डॉ. आर.पी. शर्मा (संस्था प्रमुख) के समन्वय से द्वारा बैठक ली गई। जिसमें देवास, इंदौर तथा उज्जैन प्रमुख एवं वैज्ञानिकगण उपस्थित थे। प्राकृतिक खेती पर एनालसिस भी किया गया।

इस प्रगति रिपोर्ट की बैठक में डॉ. सिंह द्वारा प्राकृतिक खेती के प्रदर्शन प्लॉट का अवलोकन भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. ए.के. बढ़ाया (संस्था प्रमुख) कृ.वि.के. देवास, डॉ. महेन्द्रसिंह (वैज्ञानिक देवास), डॉ. ए.के. शुक्ला (कृ.वि.के. इंदौर), डॉ. गायत्री वर्मा (कृ.वि.के. शाजापुर), डॉ. आर.पी. शक्तावत (कृ.वि.के. आगर-मालवा), डॉ. इंदरसिंह तोमर (क.वि.के. झाबुआ) तथा डॉ. त्रिपाठी (कृषि विज्ञान केन्द्र, रतलाम) ऑन/ऑफ मोड़ से उपस्थित थे।

क्रार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, उज्जैन के वैज्ञानिकगण तथा कर्मचारीगण श्री डी.के. सूर्यवंशी, डॉ. डी.एस. तोमर, डॉ. रेखा तिवारी, डॉ. मोनीसिंह, श्रीमती गजाला खान, श्री राजेन्द्र गवली तथा श्रीमती सपना सिंह आदि कुल 18 उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पोषण अभियान के अन्तर्गत पौधारोपन कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, कृषि विज्ञान केन्द्र (रा.वि.सि.कृ.वि.वि.) उज्जैन एवं इफको के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय पोषण अभियान के अन्तर्गत पौधा रोपण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित डॉ. आर.पी.शर्मा (संस्था प्रमुख) के मार्गदर्शन एवं श्री प्रकाशचन्द्र पाटीदार, इफ्को की सहायता से किया गया। क र्यक्रम में डॉ. शर्मा द्वारा सितम्बर माह में पोषण अभियान मनाने के मुख्य उद्देश्यों के बारे में विस्तृत से बताया। साथ ही किसान भाई एवं बहनों को खेतो में सब्जियों के महत्व के बारे में भी बताया। डॉ. रेखा तिवारी (वरिष्ठ वैज्ञानिक) ने कुपोषण निर्मूलन हेतु पोषक वाटिका को लगाने कि वैज्ञानिक विधि बताई और कुपोषण को दूर करने के लिए अनुसंधान किया गए। बायो फोर्टीफाइड किस्मों के बारे में बताया जिसमें गेहूँ, चावल एवं मुंगफली के बारे में विस्तृत से बताया। डॉ. डी.एस. तोमर (वरिष्ठ वैज्ञानिक) ने पोषक अनाज पर बातचीत की और मानव स्वास्थ्य पर उनकी भूमिका के बारे में बताया। डॉ. एस.के. कौशिक (वरिष्ठ वैज्ञानिक) ने कोदो कुटकी के बारे में बताया। साथ ही डॉ. मोनी सिंह (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी) ने संतुलित आहार के बारे में बताया। श्रीमती गजाला खान (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी) द्वारा यू-ट्यूब के जरिये माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर (केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार) का वर्चुअल मोड़ से विडियो बताया। जिसमें कुपोषण से बचने हेतु मोटा अनाज को भोजन में शामिल करने एवं फलों एवं सब्जियों के पौधों को भी अधिक मात्रा में लगाए।

श्री डी.के. सूर्यवंशी (वैज्ञानिक) द्वारा सब्जियों में रोगों के प्रबंधन के बारे में बताया। श्री राजेन्द्र गवली द्वारा जैविक खाद के उपयोग बतायें। कार्यक्रम के अंत में सभी को बैगन, मिर्च और टमाटर, सुरजना, सीताफल और जामुन के पौध वितरित किये। संस्था के प्रागण में सुरजना एवं सीताफल के पौधे भी लगाए। कार्यक्रम में तराना, बड़नगर, कल्याणपुरा, बामोरा, दताना-मताना एवं कलस्टर गांवों से कुल 110 किसान भाई एवं बहने इफ्को एवं संस्था के कुल 16 अधिकारियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में श्री अजय गुप्ता एवं श्री राजेश तथा श्री बाबूलालजी एवं कृपा वेलफेयर सोसायटी गैर सरकारी संस्था का विशेष सहयोग रहा।

पुस्तक का विमोचन

राष्ट्रीय बीज कांग्रेस दि. 21-23 अगस्त 2022 को रा.वि.सि.कृ.वि.वि. ग्वालियर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्रसिंह तोमर तथा म.प्र. के कृषि मंत्री श्री कमल पटेल एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. राव, निदेशक अनुसंधान सेवायें, डॉ. संजय कुमार शर्मा तथा डॉ. वाय.पी.सिंह, निदेशक विस्तार सेवायें एवं प्रो. विजयसिंह तोमर, पूर्व कुलपति रा.वि.सि.कृ.वि.वि. ग्वालियर तथा ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर एवं प्रमण्डल सदस्य) के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

के.वी.के., उज्जैन के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रेखा तिवारी, डॉ. दिवाकरसिंह तोमर तथा डॉ. सुरेन्द्र कुमार कौशिक द्वारा संपादित पुस्तक "Evergreen Technologies for Indian Agriculture" ISBN No. 9789362851261 का विमोचन किया गया।

उज्जैन के प्रगतिशील किसान ने मालवा को गौरवांवित किया

श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी - ग्राम-बरखेड़ी को ''कृषक फेले सम्मान'' से सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्रसिंह तोमर के द्वारा सम्मानित किया गया। श्री सोलंकी जी को समन्धन खेती प्रणाली के अन्तर्गत कृषि में विविधीकरण तथा मत्स्य पालन, बलराम तालाब, वर्षा जल संग्रहण विकसीत मॉडल, उद्यानिकी फसलों की खेती एवं आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करने के फलस्वरूप यह सम्मान प्राप्त हुआ है। सम्मान में प्रशस्ति पत्र एवं 10000/- रू. का चैक प्रदाय किया गया। यह सम्मान विश्वविद्यालय में आयोजित दि. 21-23 .8.2022) के राष्ट्रीय बीज कांग्रेस के दौरान म.प्र. के कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, मा. कुलपति महोदय प्रो. एस.के. राव, डॉ. संजय कुमार शर्मा, डॉ. वाय.पी.सिंह. की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

अत्यधिक सर्दी एवं पाले से फसलों एवं पौधों का बचाव

1. सिंचाई करने से खेत का तापमान 0.5° सेंटीग्रेड से 2° सेन्टीग्रेड तक बढ़ जाता है। पाले की सम्भावनाओं को देख खेत को सिर्फ इतना सिंचित करें कि मिट्टी गिली रहे बहुत अधिक या कम पानी ना दें।
2. डाईमिथाइल सल्फोऑक्साइड 78 एम.एल/1000 लीटर प्रति हेक्टे. का उपयोग करने से भी पाले से बचा जा सकता है
3. धूआँ द्वारा :- खेतो या बगीचो 6 से 8 जगह धुआं हेतु नम घास या टहानियों को इस तरह जलाये कि धुआँ खेतों पर पर्त के रूप में छा जाये जिसकी वजह से वातावरण के ताप में 5° सेन्टीग्रेड अन्तर आ जाता है धुआँ करने के लिए इंजन ऑयल या टायर का उपयोग कर सकते है आधी रात्रि के बाद यह कार्य करे तो ज्यादा अच्छा होगा।
5. सुर्य निकलने से पूर्व गुन-गुने पानी का स्प्रें करें तो पाले से होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है।
6. आम, नींबू, अनार, बेर, सीताफल के पौधे को घासफूस ज्वार की कडवी की टहनियों से ढंके।
7. घुलनशील सल्फर 0.4 प्रतिशत एवं घुलनशील बोरान 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें।

अक्टूबर माह में किये जाने वाले कार्य

- अमरूद, नीबू के बगीचों में तनों पर बोर्डोपेस्ट लगाए।
- शीतकालीन पुष्पों की नर्सरी तैयार करें।
- गुलाब की कटाई छटाई कर बोर्डोपेस्ट लगाए।
- मटर की अगेती किस्म जैसे अर्केल, पी.एस.एम. 3 की बुआई करें।
- मुँहपका-खुरपका रोग, गलघोटू, लगडी रोग (एक टंगियां रोग) आदि के टीके लगवाएं।
- परजीवी तथा कृमीनाशक दवा/घोल देने का समय भी उपयुक्त है।
- मुँहपका-खुरपका रोग होने पर पुशओं के प्रभावित भाग को लाल दवा 1 प्रतिशत के घोल से उपचारित करें ।
- सरसों एवं चना की बोनी 30 सेमी कतार अंतराल पर करें अनुशंसित उर्वरको का संतुलित रूप से उपयोग अवश्य करें।
- लहसुन की प्रजाति जी.-282, जी-323 किस्म का चयन कर बुवाई करें।
- रबी की सब्जियों हेतु नर्सरी तैयार करें एवं पत्तागोभी व फुलगोभी की तैयार पौध की रोपाई उचित पौध विन्यास (ज्यामिती) में करे।
- नींबू वर्गीय फल वृक्षों में केंकर रोग की रोकथाम करें।
- हरे चारे के लिए जवाहर वरसीम-1, जे बी-5 तथा जवाहर जई-1, की बुवाई करें।
- बकरियों में जी पी आर का टीका अवश्य लगवाएं।
- किलनी, जूं की रक्षा हेतु मेलाथियान/क्लिनर/वयूटॉक्स का उपयोग करें।

नवम्बर माह में किये जाने वाले कार्य

- गेहूं के बीजों को कार्बोक्सील 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज के मान से उपचार कर बुवाई करें।
- टमाटर में विषाणु जनित रोग से बचाव हेतु अनुशंसित कीटनाशकों का छिड़काव करें।
- गेहूँ में चौडी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु क्लोडिनोफाप+मेटसल्फ्यूरॉन का बोनी के 20-25 दिन पर छिडकाव करें।
- दीमक नियंत्रण के उपाय करें। इसके लिए सिंचाई जल के साथ प्रति हेक्टेयर 4 लीटर क्लोरो पायरीफॉस 20 ई.सी दवा का उपयोग करें।
- फलोउद्यान में समुचित सिंचाई के लिए थाले बनाएं तथा बगीचों में निदाई करें।
- पशुओं को लवण-मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बांटे में मिलाकर दें।
- दुधारू पशुओं को थनेला रोग से बचाने के लिए पूरा दूध निकाले और दुग्ध दोहन के पूर्व एवं बाद में थनों को लाल दवा से धो लें।

दिसम्बर माह में किये जाने वाले कार्य

- पिछेती गेहूँ कि बोनी हेतु एम-पी- 4010, राज-3777 किस्मों का उपयोग करें।
- पिछेती गेहूँ की बोनी 20 दिसम्बर तक अवश्य ही पूर्ण कर लें।
- गेहूँ में प्रथम सिंचाई 18-21 दिन की अवस्था पर ही पूर्ण कर लें।
- रबी फसल को पाले से बचाने के लिए रात्रि में सिंचाई करें। खेत की मेड़ों पर धुआँ से भी पाले से बचाव कर सकते है।
- इल्लियों की छोटी अवस्था में एन.पी.व्ही. 250 एल. ई. प्रति हेक्टेयर का छिडकाव करें।
- सब्जियों में रोग एवं कीट नियंत्रण हेतु उचित उपाय अपनायें।
- टमाटर की ग्रीष्म कालीन फसल हेतु नर्सरी तैयार करें।
- शीतकालीन मौसम में पुष्पों में सिंचाई व उवर्रक प्रबंधन करें।
- मिर्च के चुर्रा-मुर्रा रोग की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड दवा 10 मि.ली./टंकी के मान से छिड़काव करें।
- पशुओं के लिए सूखी घास की बिछावन फर्श पर बिछाएं, शरीर पर टाट, बोरी लपेटे, खिड़की, जालियों में रात्रि के समय पर्दे डालें, दिन के समय धूप में पशुओं को रखा जाए साथ ही स्वच्छ पानी पिलाएं।
- पशुओं के आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित रखे ब सूखे चारे की मात्रा बढ़ाकर दें।
- आलू की फसल में मच्छर के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 10 मि.ली. प्रति टंकी के मान से छिड़काव करें।

संपर्क सूत्र-कृषि विज्ञान केन्द्र रा.वि.रा.सि.कृ.वि.वि.

विक्रम नगर रेल्वे स्टेशन के सामने, उज्जैन (म.प्र.) दूरभाष : 0734-2922071

Book-Post

To, ______________________

____

____

From
Senior Scientist & Head
Krishi Vigyan Kendra
Near Vikram Nagar Railway Station,
Ujjain (M.P.) 456 010